## नाम तो उसका जाफर है

**कृष्णमोहन झा**

डॉक्साब, नाम तो उसका जाफर है
लेकिन इतना विनम्र
और इतना तेजस्वी है लड़का
कि लगता ही नहीं कि वह जाफर है

कहीं भी देख ले
आकर सबसे पहले चरण-स्पर्श करता है

और मांस-मछली के भक्षण की बात तो जाने दीजिए
कहता है कि अंडे से भी बास आती है

और सर्वाधिक आश्चर्य की बात तो ये सुनिए-
अपने प्रस्तावित शोधोपाधि के लिए जो विषय चुना है उसने
वह कबीर या रसखान या जायसी नहीं
बल्कि अपने बाबा तुलसी हैं

...जी-जी हां...
बिल्कुल ठीक कहा आपने
कमल तो सदैव कीचड़ में ही खिलता है।

## विचार

**दिलिप चुघ**

ये बन्द नहीं हो सकते
खिड़कियों या दरवाजों में
ये बना लेते हैं अपना रास्ता
हवा और पानी की तरह
ये जिस्म नहीं, जिन्हें कुचल दे कोई
ये मिल जाते हैं मुस्कुराते हुए
किताबों के किसी पन्ने में
और जाने अनजाने में ही, इनसे
बदल रही होती है
किसी कोने में दुनिया

## आखिर हम

**इम्दाद हुसैनी**

आखिर हम एक बच्चे को
आखिर हम एक फूल से बच्चे को
आखिर हम एक फिलिस्तीनी फूल से बच्चे को
आखिर हम एक टैंक से कुचले हुए फिलिस्तीनी
फूल से बच्चे को
आखिर हम एक इस्राइली टैंक से कुचले हुए
फिलिस्तीनी फूल से बच्चे को
लफ्जों में कैसे लिख सकते हैं !